महाकविकालिदासविरचितं

124

मेघदूतम् (उत्तरमेघः - ४८)

(29)

Vulgate : एतस्मान्मां कुशलिनमभिज्ञानदानाद् विदित्वा
मा कौलीनादसितनयने मय्यविश्वासिनी भूः ।
स्नेहानाहुः किमपि विरहे ध्वंसिनस्ते त्वभोगा-
दिष्टे वस्तुन्युपचितरसाः प्रेमराशीभवन्ति ॥

MS-1
[illegible]

. . . . do - - - - -
मा कौलीनादसितनयने मय्यविश्वसिनी भूः ।
स्नेहानाहुः किमपि विरहे ग्रासिनस्ते त्वभोगा-
. . . . . . do - - - - ॥

MS-2
[illegible]

. . . . . . - - - - -
मा कौलीनादसितनये मय्यविश्वासिनी भूः ।
स्नेहानाहुः किमपि विरहव्यापिनो त्वभोगाः
दृष्टे वस्तु . . . . . ॥

MS-3
[illegible] + [illegible]

. . . . . . - - - - - - - - - - - -
मा कौलीनाच्चकितनयने मय्यविश्वासिनी भूः ।
स्नेहानाहुः किमपि विरहे ध्वंसिनस्ते त्वभोगा-
- - - - - - - - - - - - - - ॥

MS-4
[illegible]

. - - - - - - - - - - - - -
मा कौलीनच्चकितनयने मय्यविस्वासिनी भूः
स्नेहानाहुः किमपि विरहे भ्रंसिनस्ते त्वभोगा-
- - - - - - - - - - - - ॥

MS-5 [redacted]

------ मा कौलीनादसितनयने मय्यविश्वासिनी भूः ।
स्नेहानाहुः किमपि विरहव्यापदस्ते त्वभोगया
दृष्टे ---- ॥

MS-6 ([redacted])

------ मा कौलीनाच्चकितनयने मय्यविश्वासिनी भूः ।
स्नेहानाहुः किमपि विरहे ध्वंसिनस्ते त्वभोगा-
---- ॥

MS-7

---- मा कौलीनादसितनयने मय्यविश्वासिनी भूः ।
स्नेहानाहुः किमपि विरहे ह्रासिनस्ते त्वभोगा-

← (1 – to 17) →

(1 to 28) ↕

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
बहुसूचनिकापाठ Vulgate																	
1																	
2																	
3																	
4																	
25																	
26																	
27																	
28																	

सी
सी
सु

तियक्हुउँ येवीउरगाः
यकिस्कुँतेवक्ष्म दँमर
त्तिउत्ते परुँमक्नुहेल
भूवक्त्रे ॥ ९० ॥ भवन्त
रलि भँयधृ भँनेक्नु
किनिरुक्नुम ॥ भ्रक्नु
रुयाम्नुनः भूलभ
क्षिङ्ते येगणरलुभा ॥ ७१

लउमिहेकाक्षँवक्नुष्ट
लरक्ष भरभ्रवा ॥ यः
भूयत्तिहुलक्नुँ दँभये
त्तिपाभँगत्तिभा ॥ ७२
मवटुगेरुः भरतेँयेभँ
भ्रगत्तिनिहुमः ॥ उभृ
दँभलकः पाजनिहुव
कुभृयेगितः ॥ ७३ ॥

Dr. T. GANESAN

12A 12A

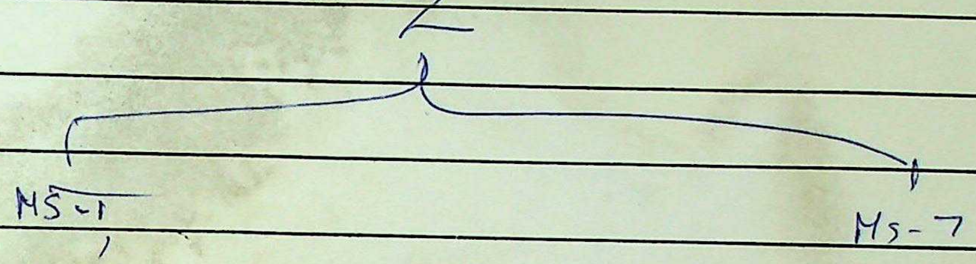

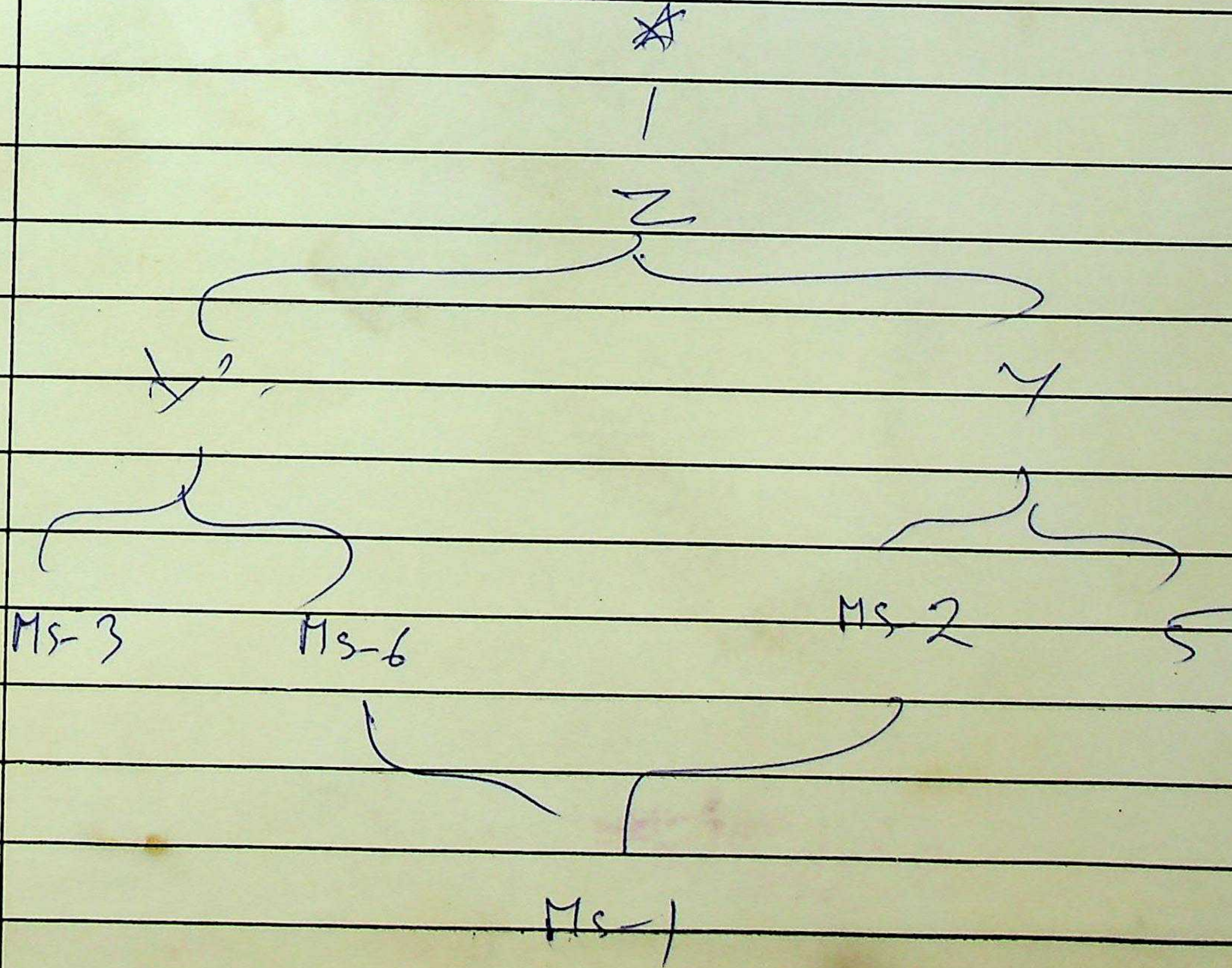

Dr. T. GANESAN

125 125
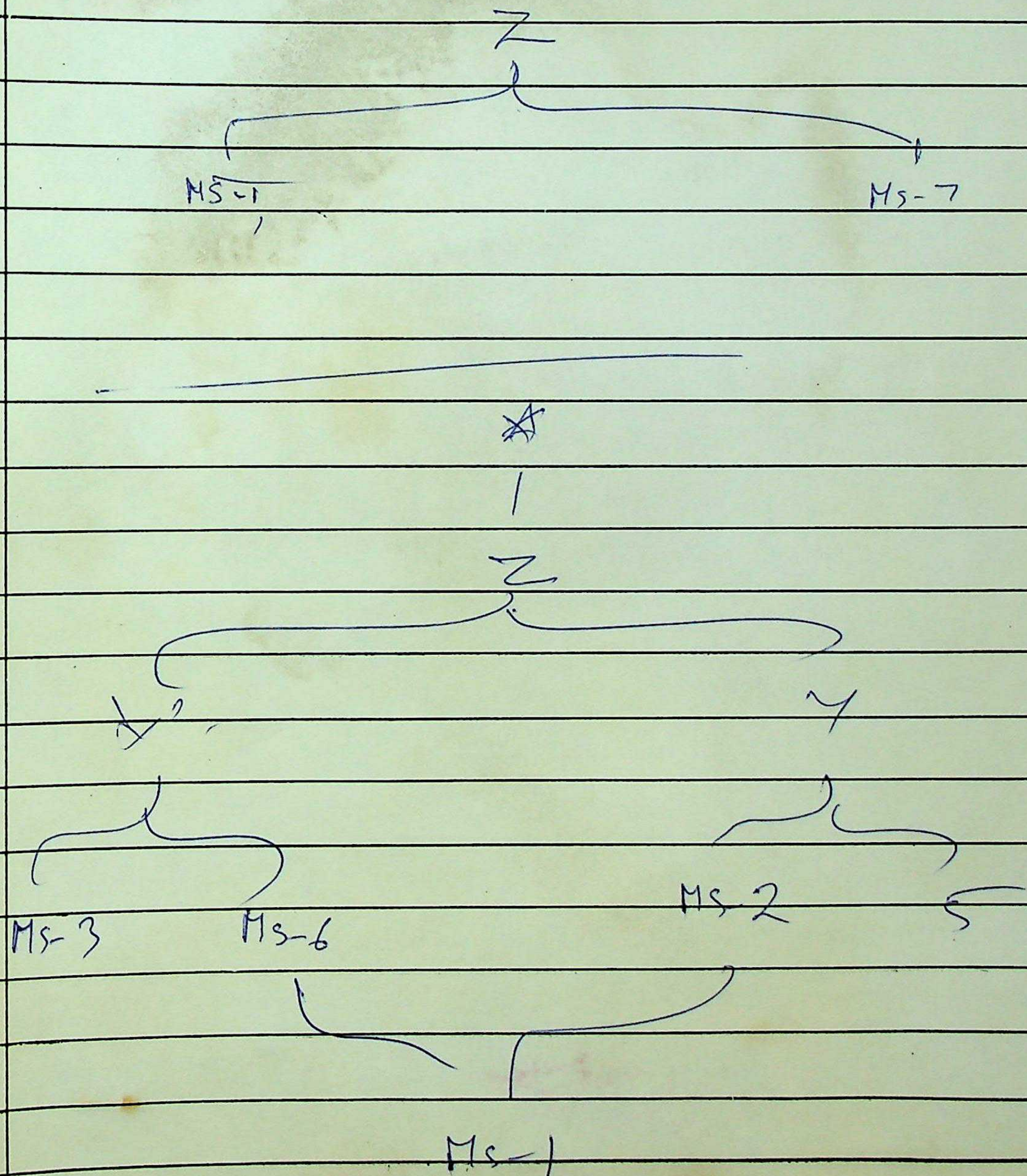
Vulgate ~~MS~~	मा	कौ	ली	ना	द	सि	त	न	य	ने	म	रय	वि.	श्वा	सि	नी	भूः
	से	हा	ना	दुः	कि	म	पि	वि	र	हे	धं.	सि	नस	ते	त्व	भो	गाः
Ms-1														~~[illegible]~~			
											ह्रा	सि	नः				
Ms-2									ये	–							गाः
										ह	व्या	पि	नः	–	ह्रा	[illegible]	
Ms-3					चूं	कि	त										
Ms-4				न	चं	कि	त										
											भ्रं	श्लि (शि)	नः				
Ms-5														~~[illegible]~~			
										ह	व्या	प	दः				ज्या
Ms-6					चं	कि	त							~~[illegible]~~			
											भ्रं	शि	नः				
Ms-7														~~[illegible]~~	सी		
										ह	हा	सि	नः